

कक्षा : सातवीं : गतिविधि - परिचय

पूरक पाठ्यपुस्तक	बाल महाभारत कथा
पाठ	राजदूत संजय
शीर्षक	विज्ञापन
समय	दो कालांश
प्रकार	सामूहिक
विद्यार्थी संख्या	आठ
कौशल	विचारात्मक लेखन एवं वाचन
आवश्यक सामग्री	रंगीन कागज़ कलम और कार्यपत्र

चरण:-

1.शैक्षिक अधिगम:-

- * विद्यार्थी तार्किकता, बुद्धिचातुर्य, सामाजिक जागरूकता, विचाराभिव्यक्ति कला में सक्षम हो सकेंगे ।
- * विज्ञापन के अर्थ (विज्ञापन-विशिष्ट सूचना) विज्ञापन कला एवं विज्ञापन के प्रकारों से परिचित हो सकेंगे ।
- * कलात्मक रूप से अपनी भाषा, अपने भावों को विज्ञापन के रूप में अभिव्यक्ति करने की कला को आत्मसात् कर सकेंगे ।

2.अध्यापिका गतिविधि :-

- * अध्यापिका विद्यार्थियों को पाठ से प्रेरणा लेते हुए विश्वशांति हेतु विज्ञापन के निर्माण की योजना बनाने को कहेंगी ।
- * अध्यापिका निर्देश देंगी कि विज्ञापन की भाषा सरल, सटीक एवं आकर्षक हो ।
- * अध्यापिका अंत में निर्धारित प्रारूप के आधार पर विज्ञापन का मूल्यांकन करेंगी ।
- * अंत में अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी ।

3. विद्यार्थी -गतिविधि:-

- * अध्यापिका द्वारा निर्देश प्राप्त कर सभी विद्यार्थी अपने समूह के साथ मिलकर अपनी समझ, जागरूकता आदि के आधार पर विज्ञापन का निर्माण कर प्रस्तुत करेंगे।
- * अंत में विद्यार्थी मूल्यांकन हेतु अपना विज्ञापन अध्यापिका को देंगे ।
- * सभी विद्यार्थी कार्यपत्र पूरा करेंगे ।

4.मूल्यांकन के मानदंड:-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

पाठ: राजदूत संजय

विद्यार्थी का नाम:

गतिविधि : विज्ञापन

अनुक्रमांक:

प्रश्न.1. राजदूत संजय शांति संदेश लेकर आए और श्रीकृष्ण शांति दूत बन कर जाने की योजना बनाते हैं । जहाँ युद्ध विनाश का प्रतीक वहीं शांति समृद्धि और विकास का । शांति के महत्व को समझते हुए सामाजिक जागरूकता फैलाते हुए शांति के प्रचार -प्रसार हेतु दो-दो नारे लिखिए ।

1.

2.

प्रश्न.2.आप अपने आस-पास शांति बनाए रखने के लिए क्या-क्या उपाय करते हैं ? अपने विचार लिखिए ।
